हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2021

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1
(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) माया महा ठगिनि हम जानी ।
तिरगुन फाँसि लिये कर डोलै, बोलै मधुरी बानी ।।
केशव के कमला होइ बैठी, सिव के भवन भवानी ।
पंडा के मूरत होय बैठी, राजा के घर रानी ।
काहू के हीरा होइ बैठी, काहू के कौड़ी कानी ।।
भक्तन के भक्तिन होइ बैठी, ब्रह्मा के ब्रह्मानी ।
कहैं कबीर सुनो भाई साधो, यह सब अकथ कहानी ।।

(ख) तूं राजा जस बिकरम आदी । तू हरिचंद बैन सतबादी ।।

गोपिचंद तुइ जीता जोगू । औ भरथरी न पूज बियोग ।।

गोरख सिद्धि दीन्ह तोहि हाथू । तारी गुरू मछंदरनाथू ।।

जीत पेम तुई भूमि अकासू । दीठि परा सिंघल कबिलासू ।।

वह जो मेघ गढ़ लाग अकासा । बिजुरी कनय कोट चहुँ पासा ।।

तेहि पर ससि जो कचपचि भरा । राजमंदिर सोने नग जरा ।।

और जो नखत देख चहुँ पासा । सब रानिन्ह कै आहिं अवासा ।।

गगन सरोवर, ससि कँवल, कुमुद तराइन्ह पास ।
तू रवि ऊआ, भौंर होइ, पौन मिला लेइ बास ।

(ग) मैया मोहिँ दाऊ बहुत खिझायौ ।

मोसौँ कहत मोल कौ लीन्हौ तू जसुमति कब जायौ ।।

कहा करौँ इहि रिस के मारे खेलन हौ नहिँ जात ।

पुनि पुनि कहत कौन है माता को है तेरौ तात ।।

गोरे नंद जसोदा गोरी तू कत स्यामल गात ।

चुटकी दै दै ग्वाल नचावत हँसत सबै मुसुकात ।।

तू मोही कौँ मारन सीखी दाउहिँ कबहुँ न खीझै ।

मोहन को मुख रिस समेत लखि जसुमति सुनि-सुनि रीझै ।।

सुनहु कान्ह बलभद्र चबाई जनमत ही कौ धूत ।

सूर स्याम मोहिँ गोधन की सौ हौ माता तू पूत ।।

(घ) फागु के भीरे अभीरन तें गहि गोबिंद लै गई भीतर गोरी ।
भाई करी मन की पद्माकर ऊपर नाई अबीर की झोरी ।
छीन पितंबर कंमर तें सु बिदा दई मीड़ि कपोलन रोरी ।
नैन नचाइ कह्यो मुसकाइ भला फिरि आइयौ खेलन होरी ।।

2. गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति पदावली की विशेषताएँ बताइए । *10*

3. कवि के रूप में जायसी का मूल्यांकन कीजिए । *10*

4. मीरा की भक्ति के प्रमुख पक्षों पर विचार कीजिए । *10*

5. तुलसी के काव्य में चित्रित तत्कालीन समाज का सोदाहरण वर्णन कीजिए । *10*

6. मुक्तक काव्य परम्परा में बिहारी का स्थान निर्धारित कीजिए । *10*

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) पद्माकर के काव्य में लोक जीवन

(ख) घनानंद की कविता में प्रेम

(ग) कबीर के राम

(घ) अष्टछाप और सूरदास